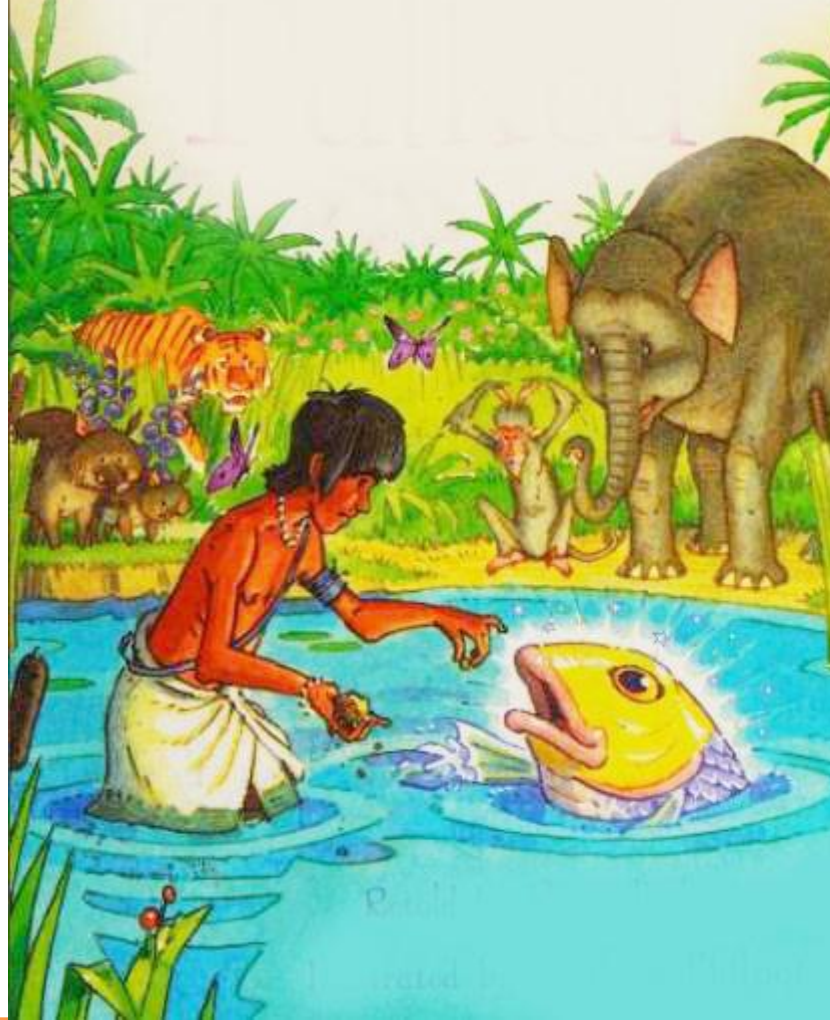
बोलने वाली मछली

महाभारत की कहानी

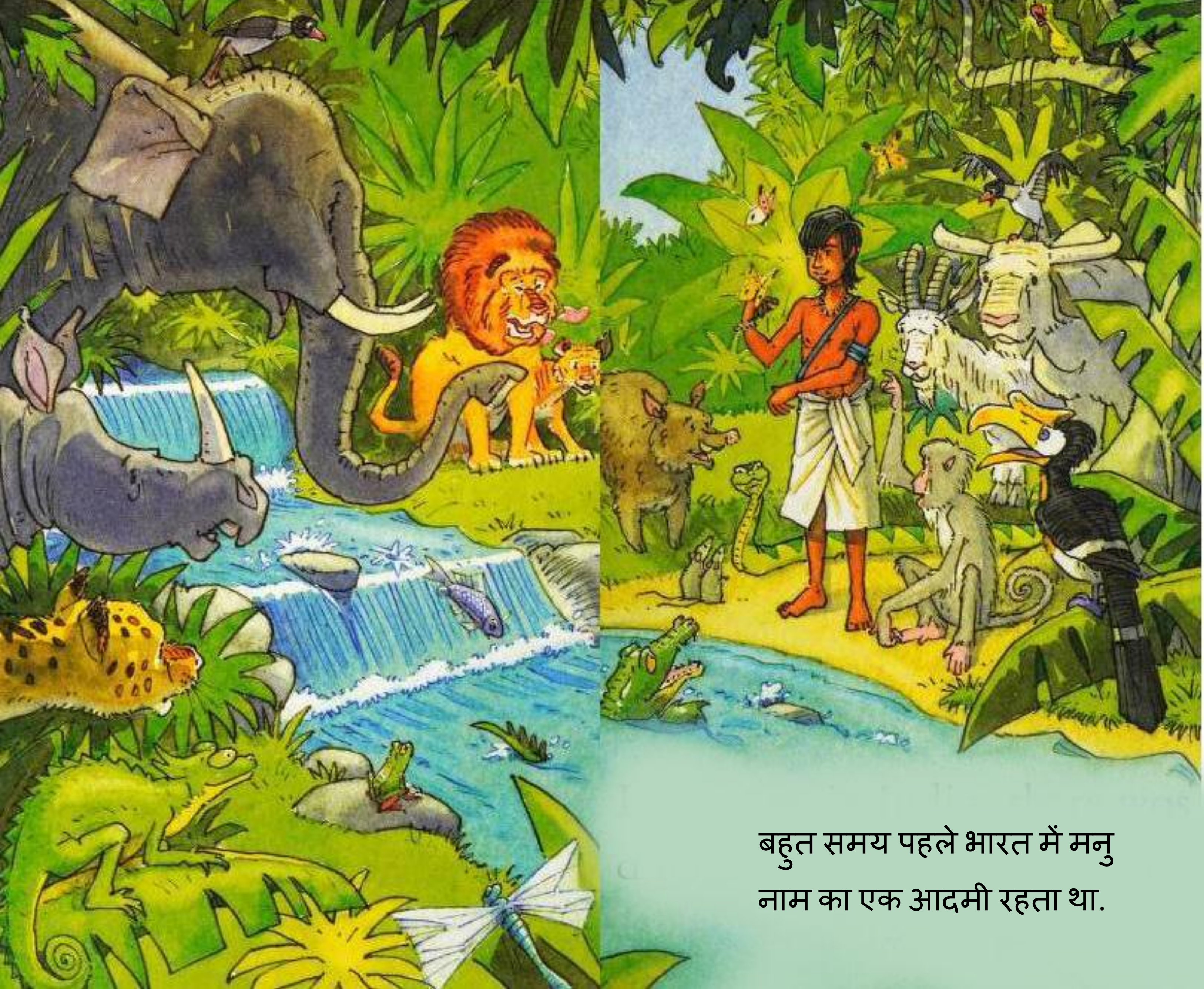


बोलने वाली मछली

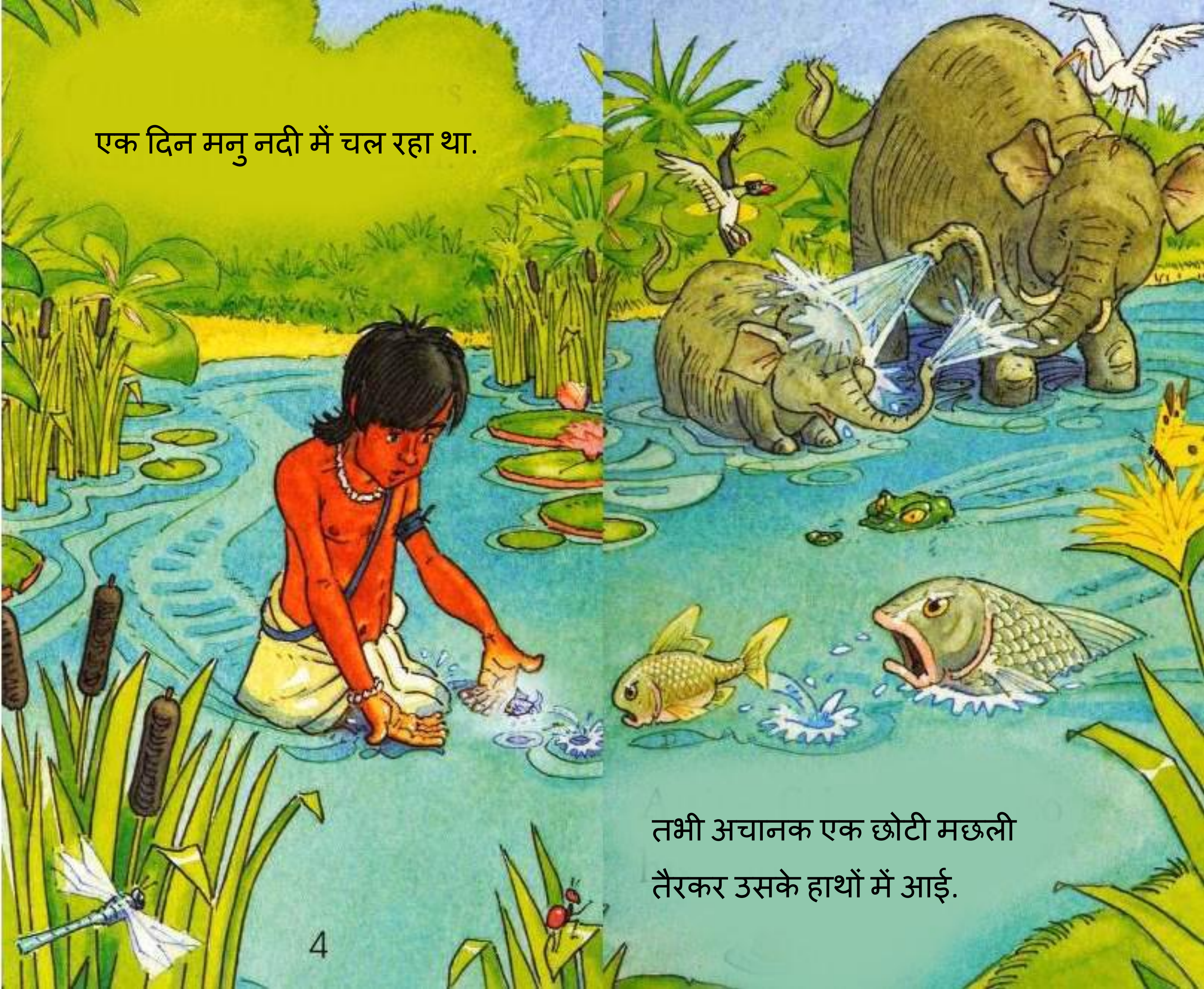
महाभारत की कहानी

पुनर्कथन : रोज़ी डिकेन्स





बहुत समय पहले भारत में मनु
नाम का एक आदमी रहता था.

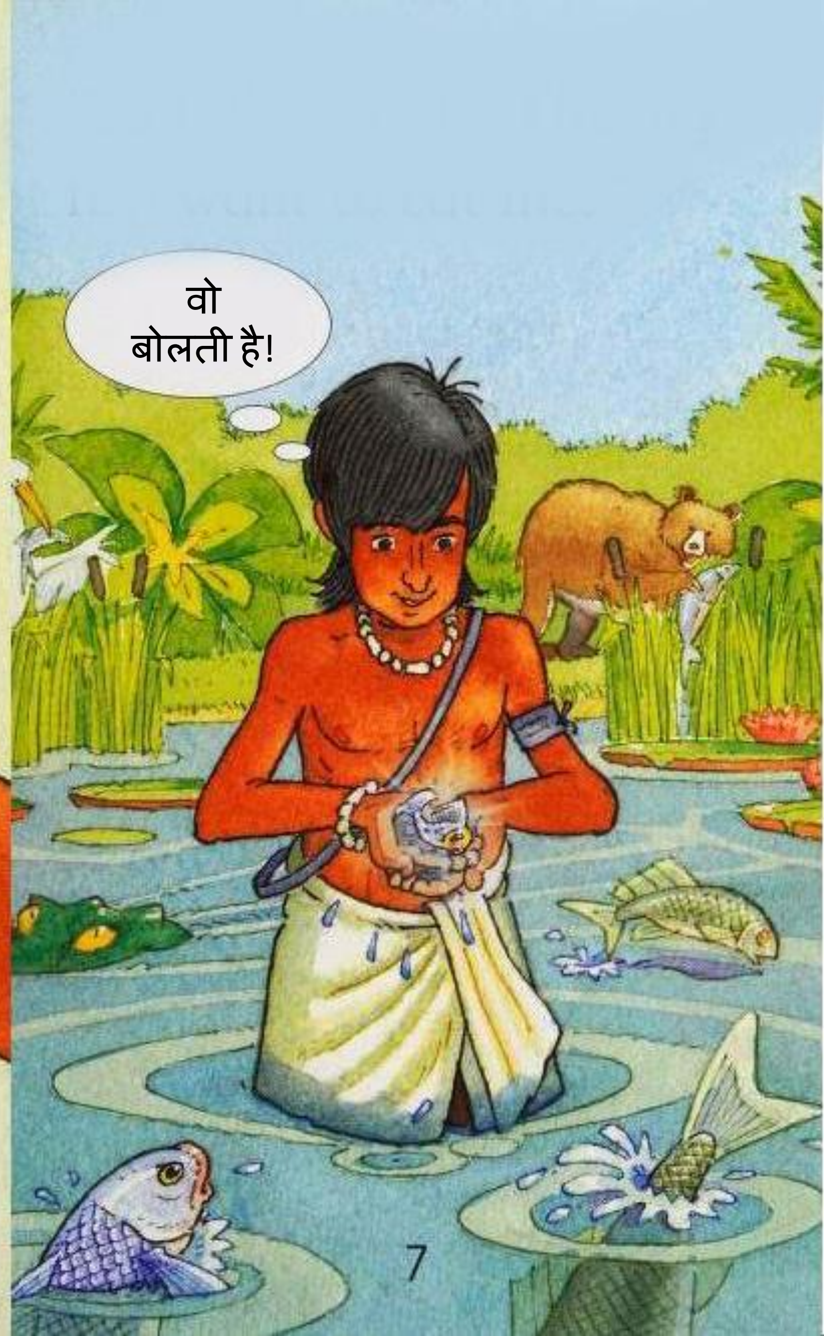

एक दिन मनु नदी में चल रहा था.
तभी अचानक एक छोटी मछली
तैरकर उसके हाथों में आई.

मछली रुपहली रोशनी से चमक रही थी.



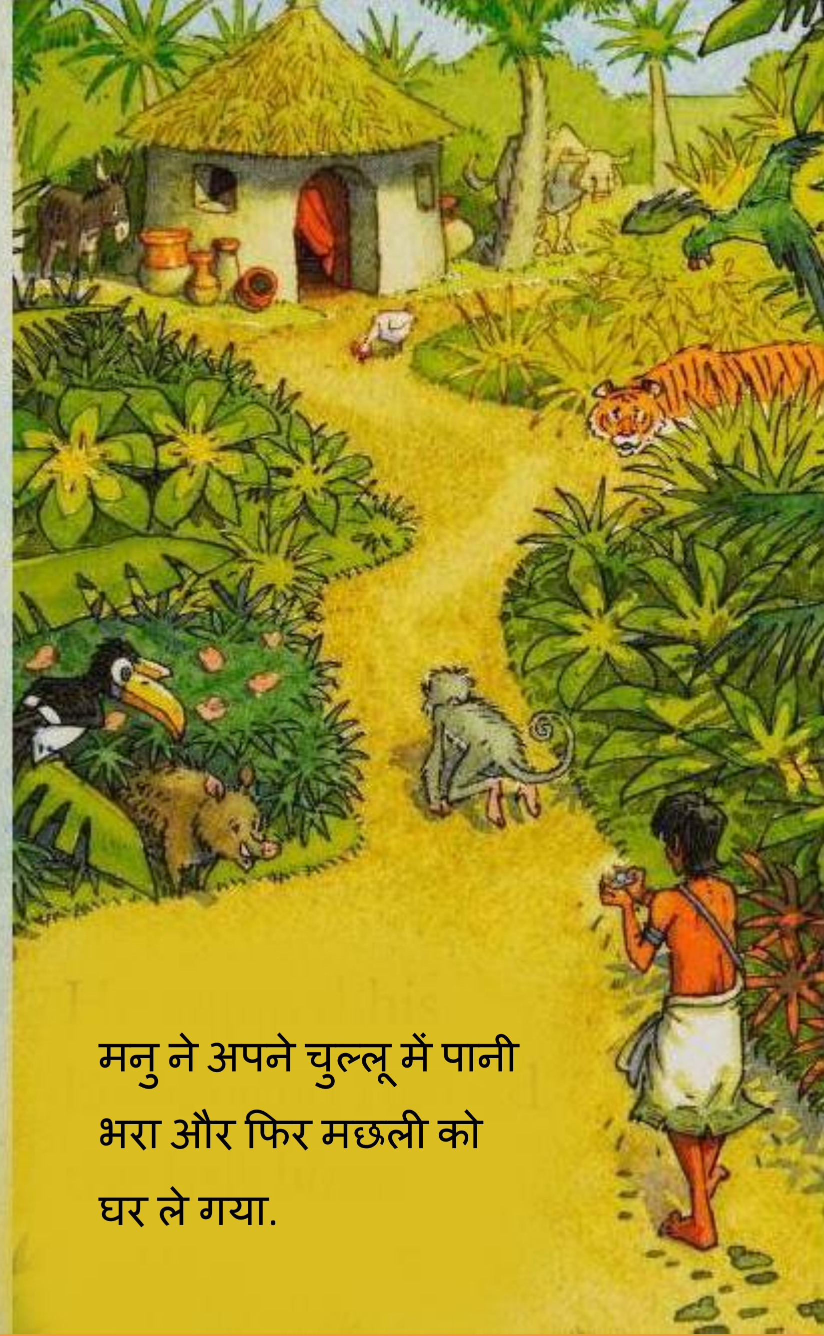
"मेरी मदद करो!" उसने कहा.

"बड़ी मछली मुझे खाना चाहती है."



"वो बेचारी," मनु ने कहा.





मनु ने अपने चुल्लू में पानी भरा और फिर मछली को घर ले गया.

उसने मछली को पानी के
एक मटके में रखा....



और उसे छोटी-छोटी चीज़ें खिलाईं.

मछली बड़ी हुई...



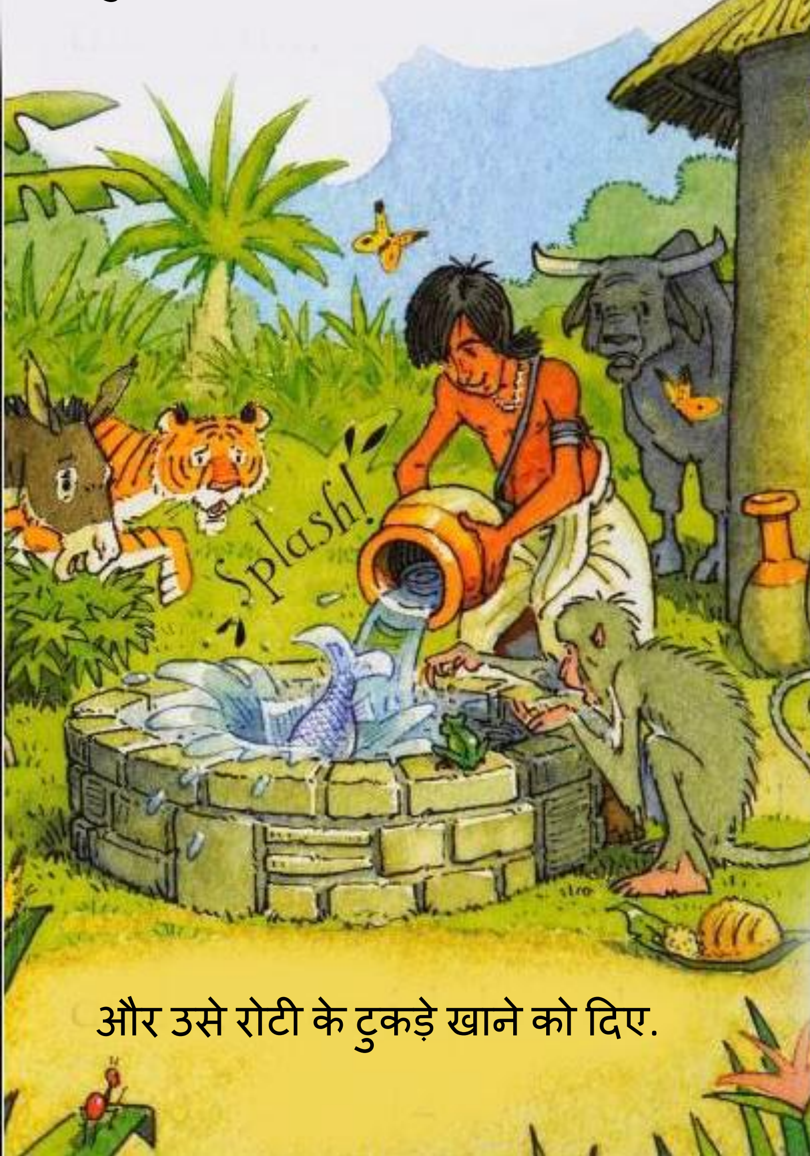


और बड़ी हुई...



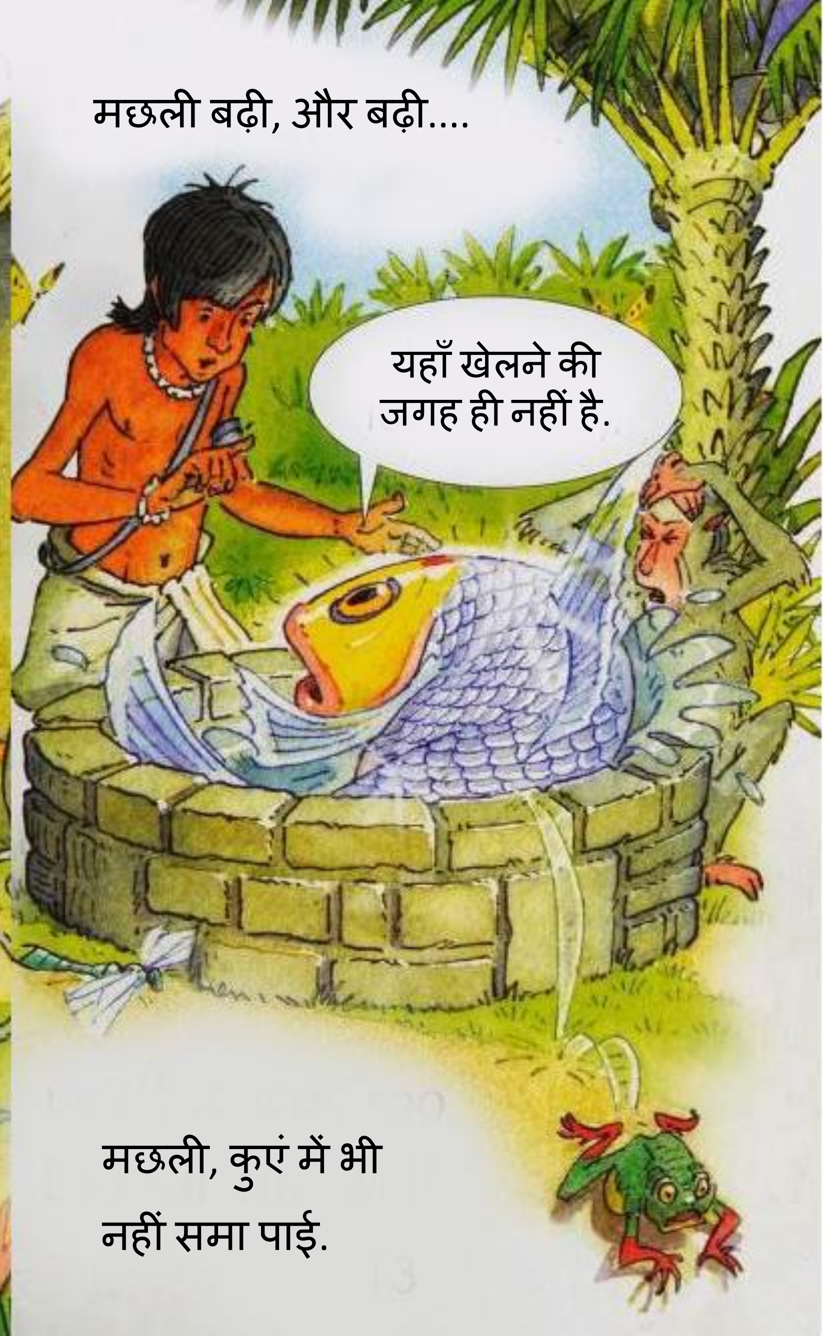
मछली फिर मटके में नहीं समा पाई.

फिर मनु ने उस मछली को
कुएं में डाल दिया...



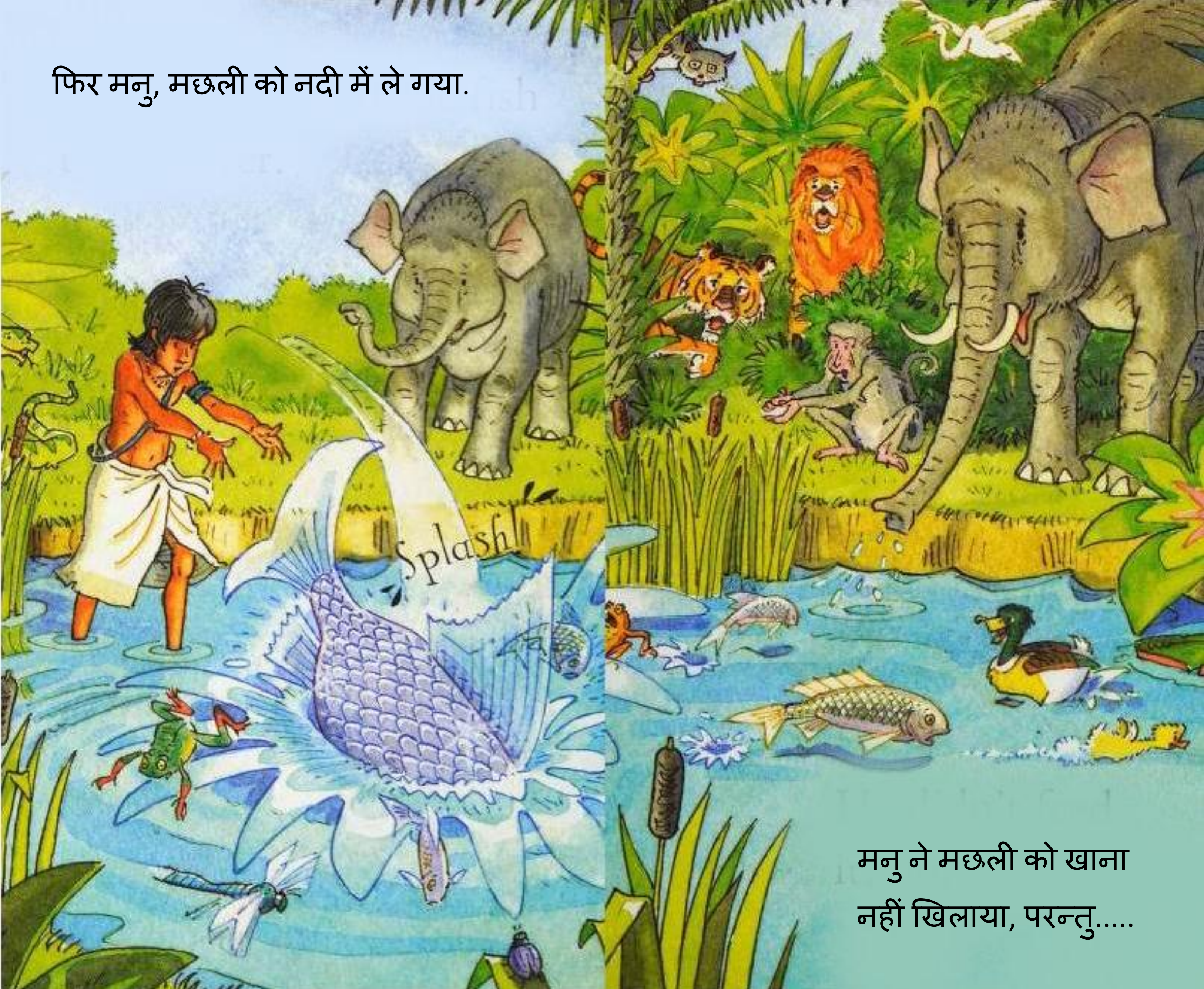
और उसे रोटी के टुकड़े खाने को दिए.

मछली बढ़ी, और बढ़ी....

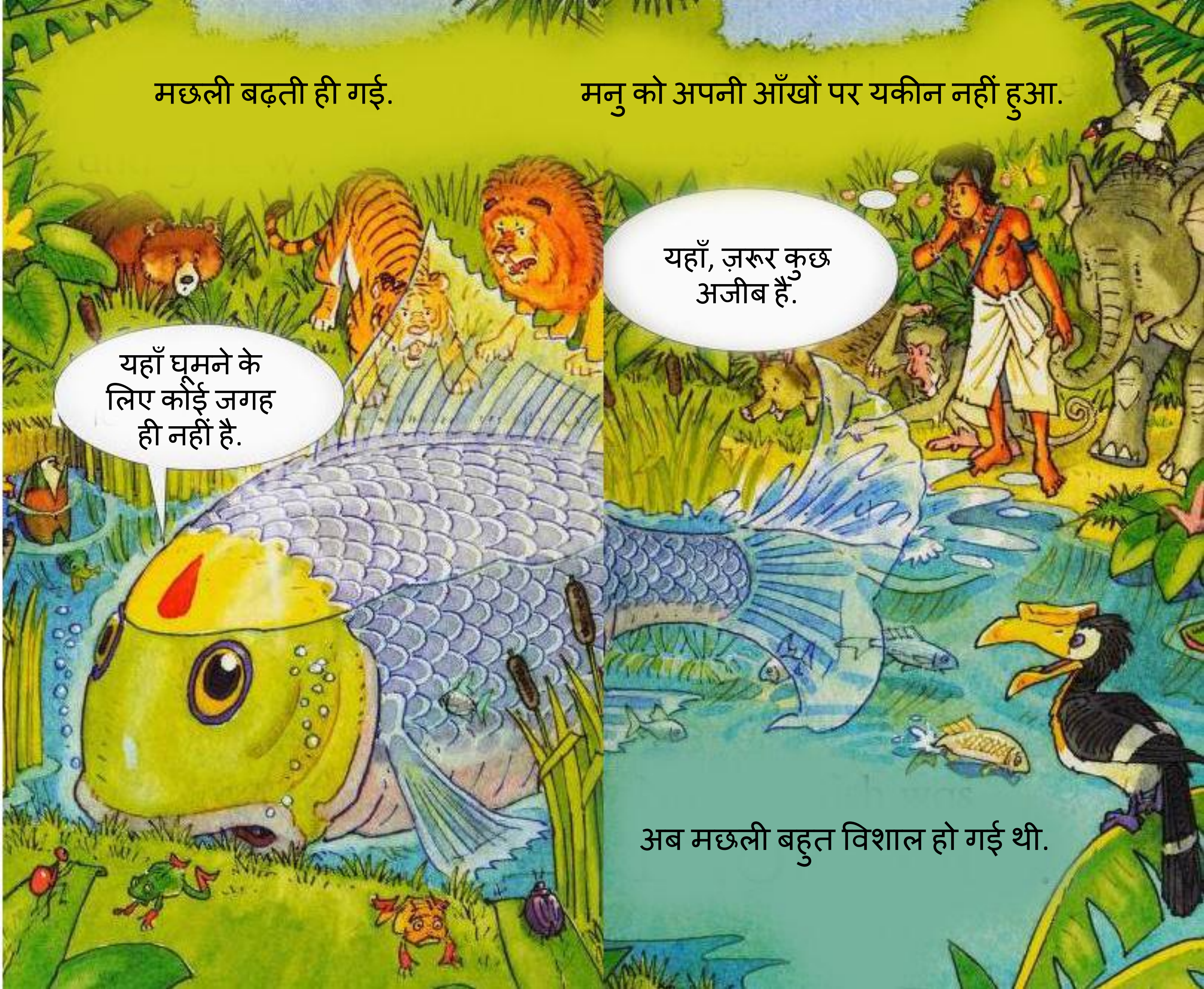


मछली, कुएं में भी
नहीं समा पाई.

फिर मनु, मछली को नदी में ले गया.



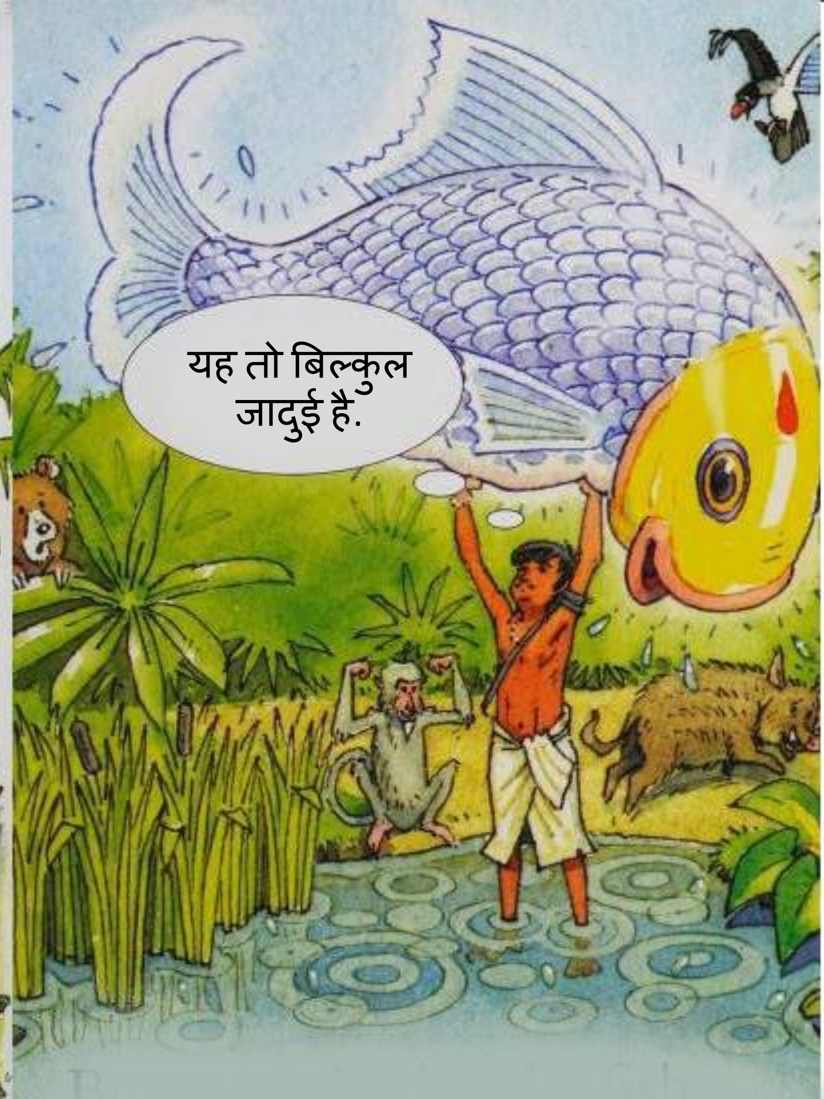
मनु ने मछली को खाना
नहीं खिलाया, परन्तु.....


मछली बढ़ती ही गई.
यहाँ घूमने के लिए कोई जगह ही नहीं है.
मनु को अपनी आँखों पर यकीन नहीं हुआ.
यहाँ, ज़रूर कुछ अजीब है.
अब मछली बहुत विशाल हो गई थी.

“कृपा करके मुझे समुद्र में ले जाओ,"
मछली ने प्रार्थना की.

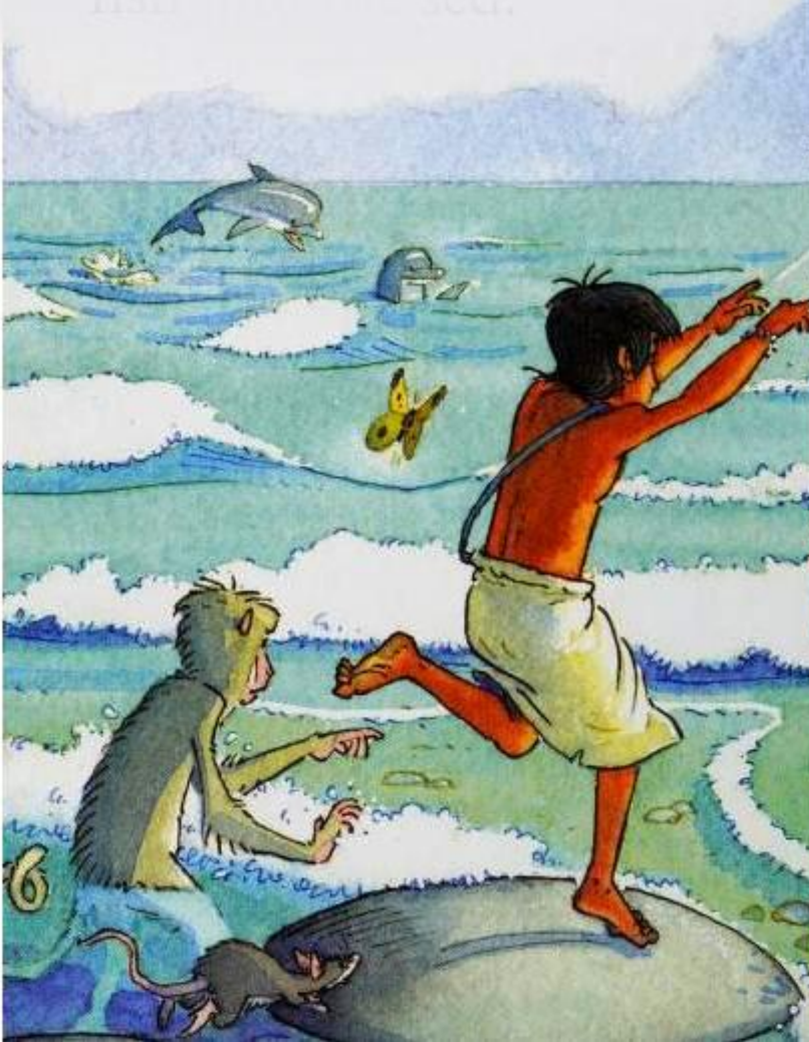


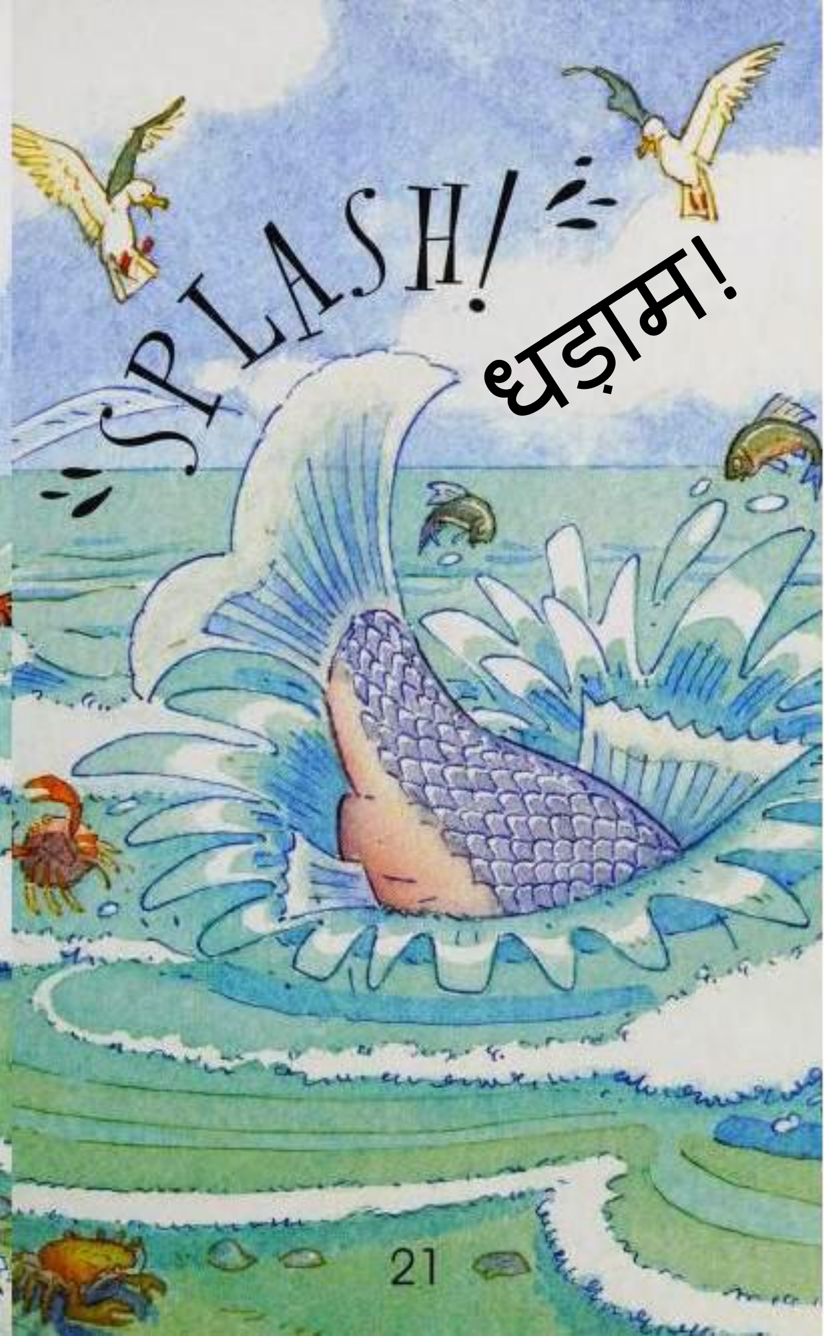
मनु को डर लगा.
"उसका भार एक टन होगा!" उसने सोचा.



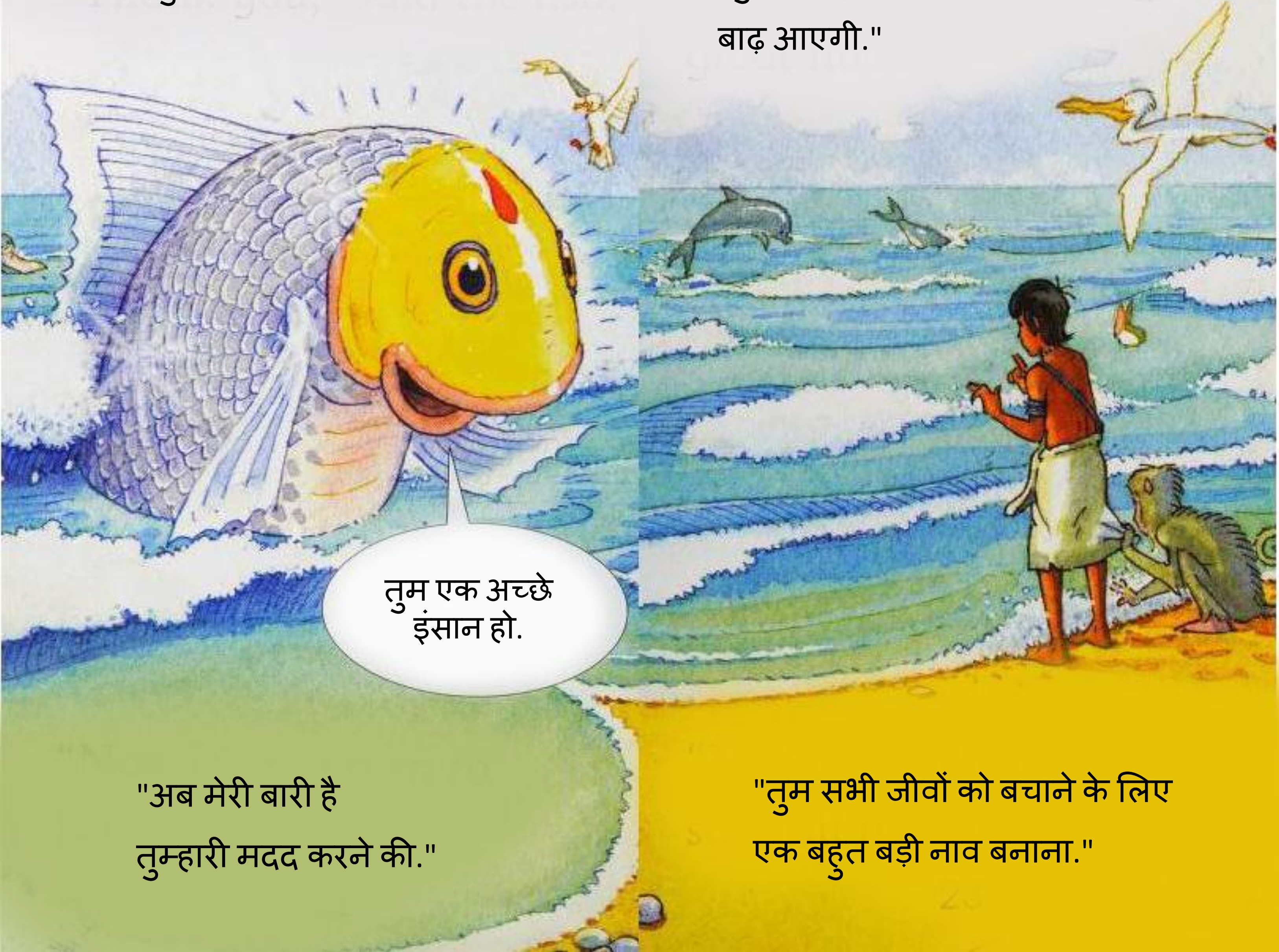
पर मछली हवा जितनी हल्की निकली!

मछली समुद्र के किनारे गया और
उसने मछली को समुद्र में फेंक दिया.





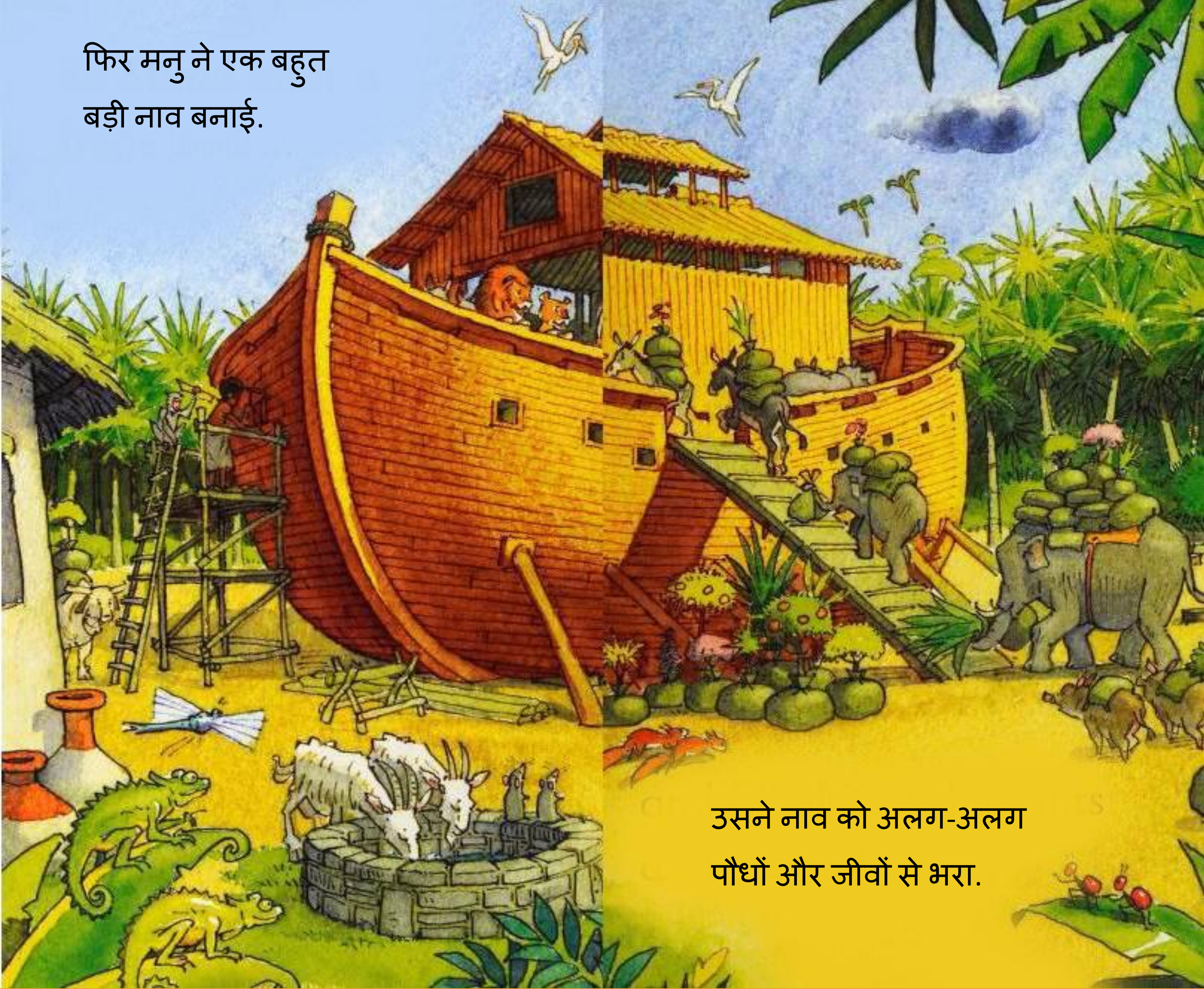
"बहुत धन्यवाद," मछली ने कहा.



"अब मेरी बारी है
तुम्हारी मदद करने की."

"कुछ समय बाद एक भीषण
बाढ़ आएगी."

"तुम सभी जीवों को बचाने के लिए
एक बहुत बड़ी नाव बनाना."



फिर मनु ने एक बहुत
बड़ी नाव बनाई.

उसने नाव को अलग-अलग
पौधों और जीवों से भरा.

जल्द ही आसमान में काले,
डरावने बादल छा गए.

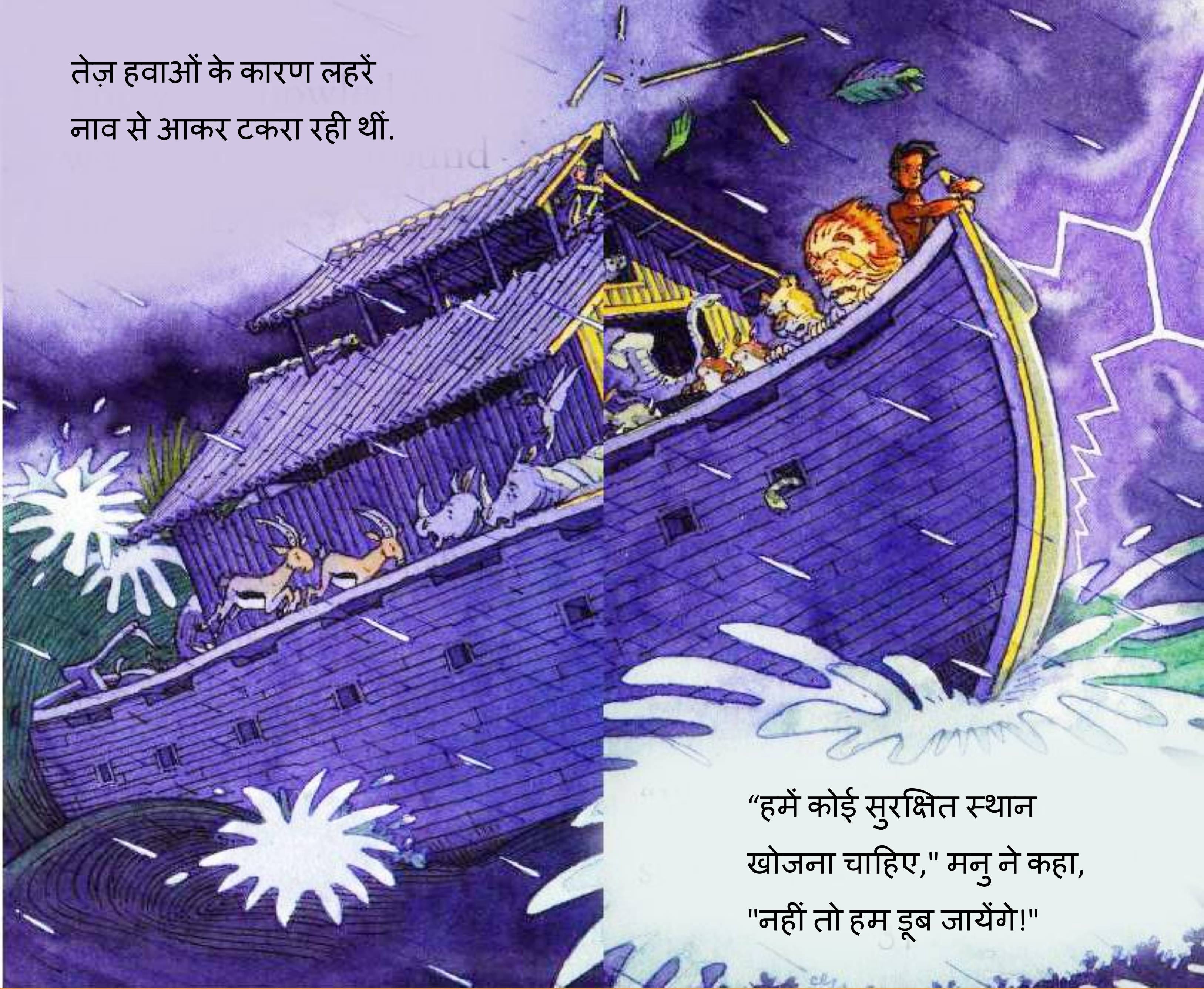


और फिर तेज़ बारिश होने लगी.



इतनी बारिश हुई कि पूरी
ज़मीन पानी से भर गई.

सिर्फ मनु की नाव ही
पानी पर तैर रही थी.

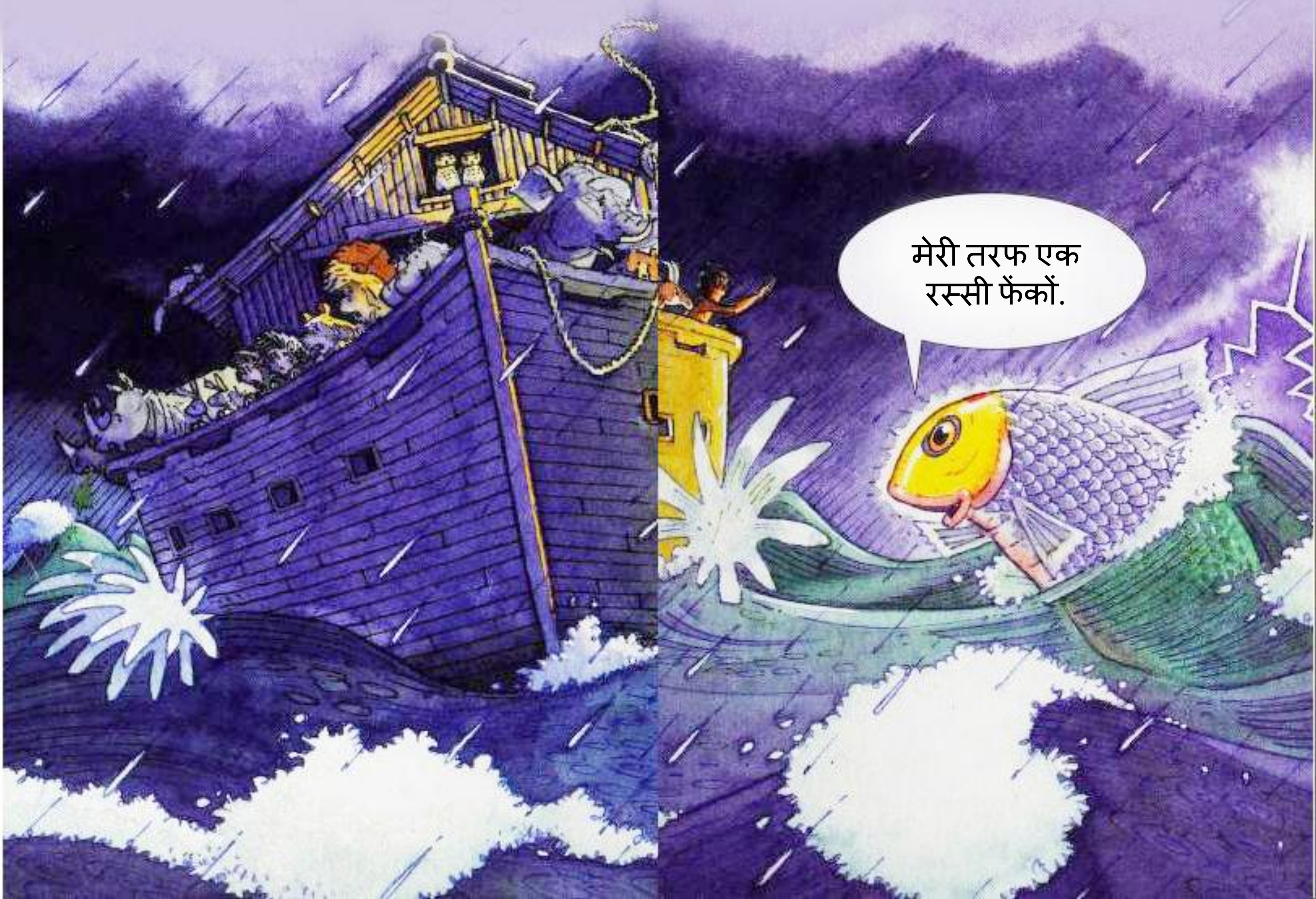


तेज़ हवाओं के कारण लहरें
नाव से आकर टकरा रही थीं.

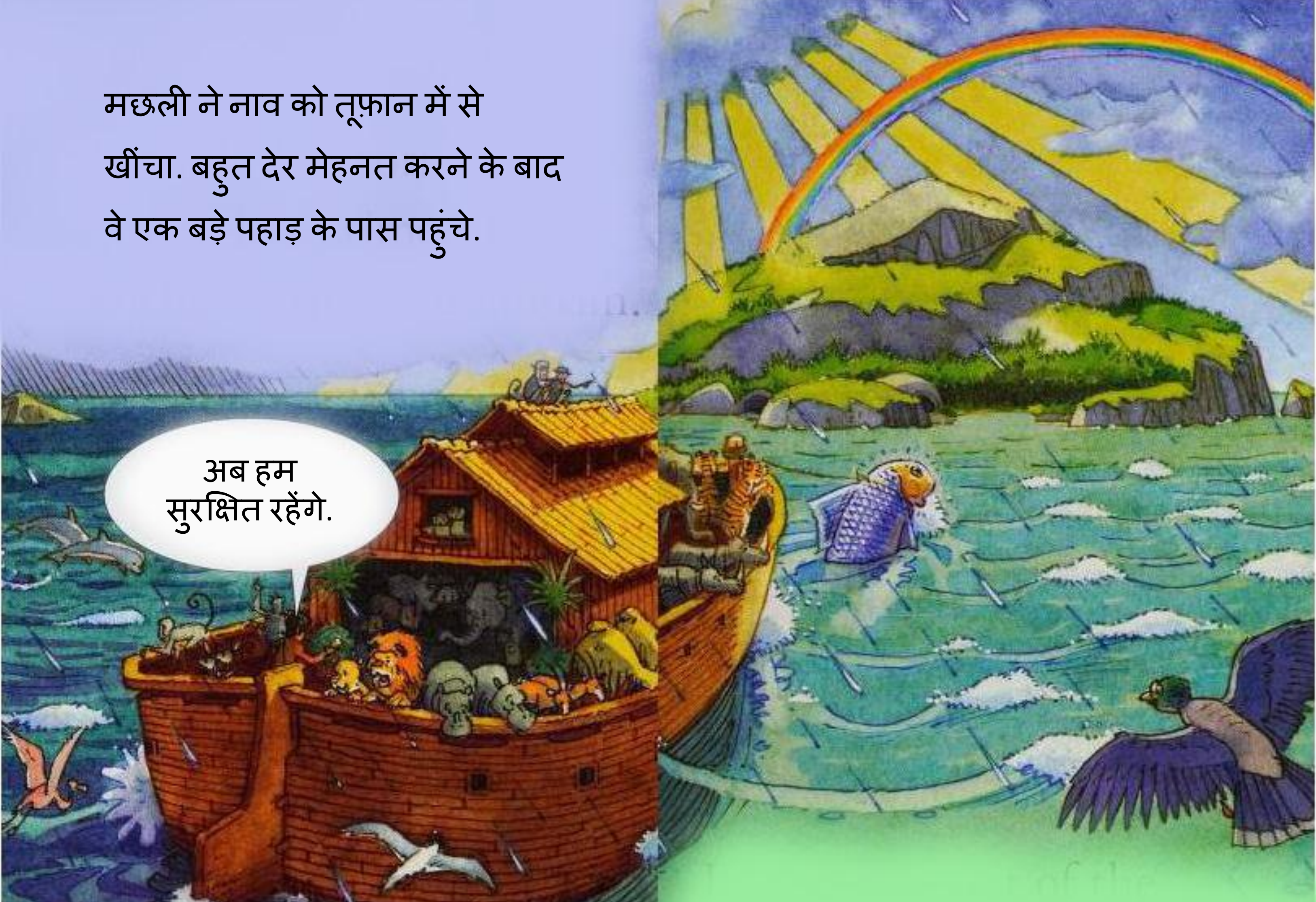
“हमें कोई सुरक्षित स्थान
खोजना चाहिए," मनु ने कहा,
"नहीं तो हम डूब जायेंगे!"

जब मनु ने अँधेरे में देखा तो उसे
एक रुपहली रोशनी दिखाई दी.

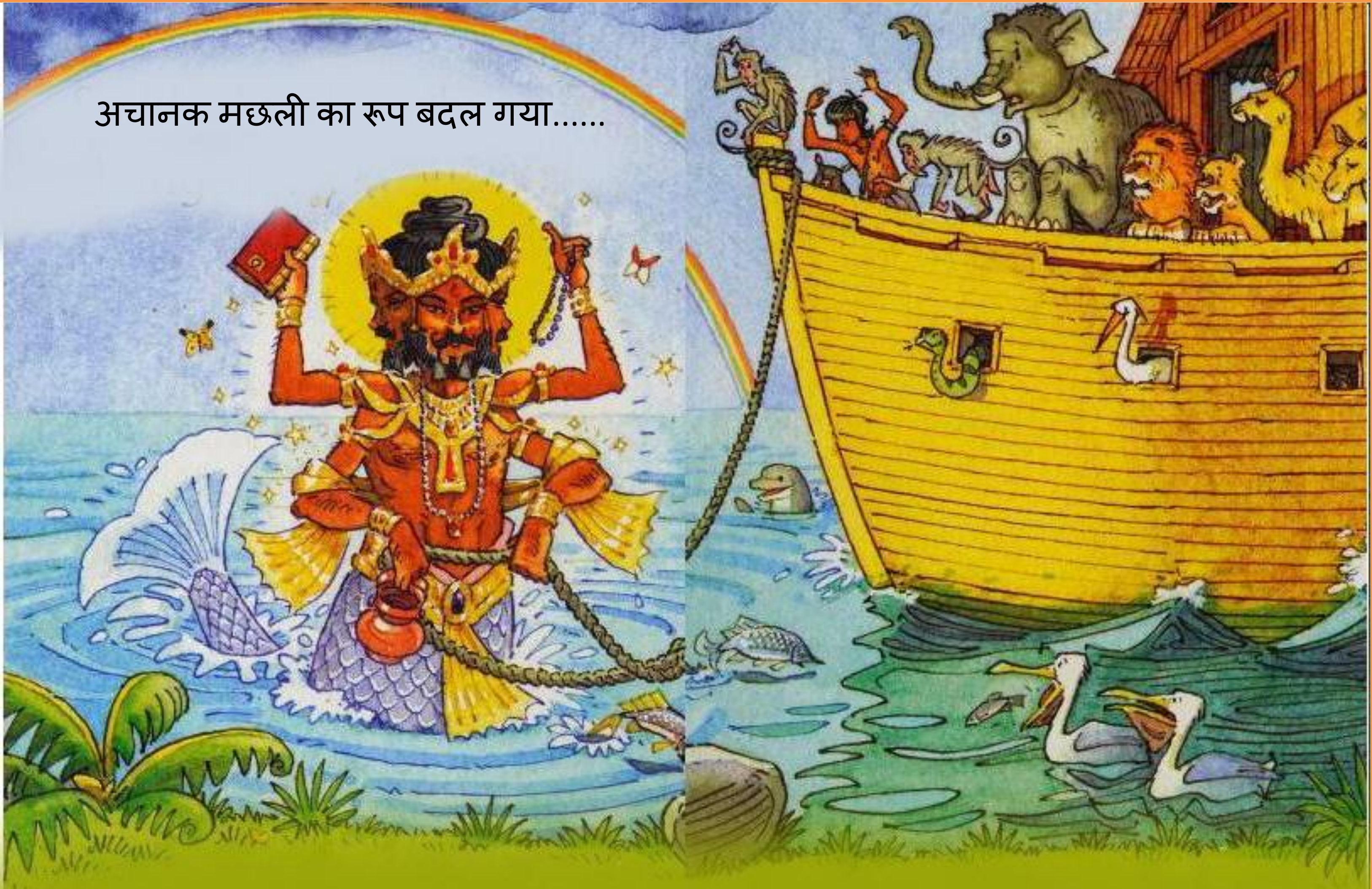
वो बोलने वाली मछली थी.



मछली ने नाव को तूफ़ान में से खींचा. बहुत देर मेहनत करने के बाद वे एक बड़े पहाड़ के पास पहुंचे.



मछली की सिर एक टापू जैसे ऊपर उठा.



"मैं ब्रह्मा हूँ," सभी जीवों का देवता,"
उन्होंने कहा.

मनु ने गहरी सांस ली.
ब्रह्मा एक ताकतवर देवता थे.

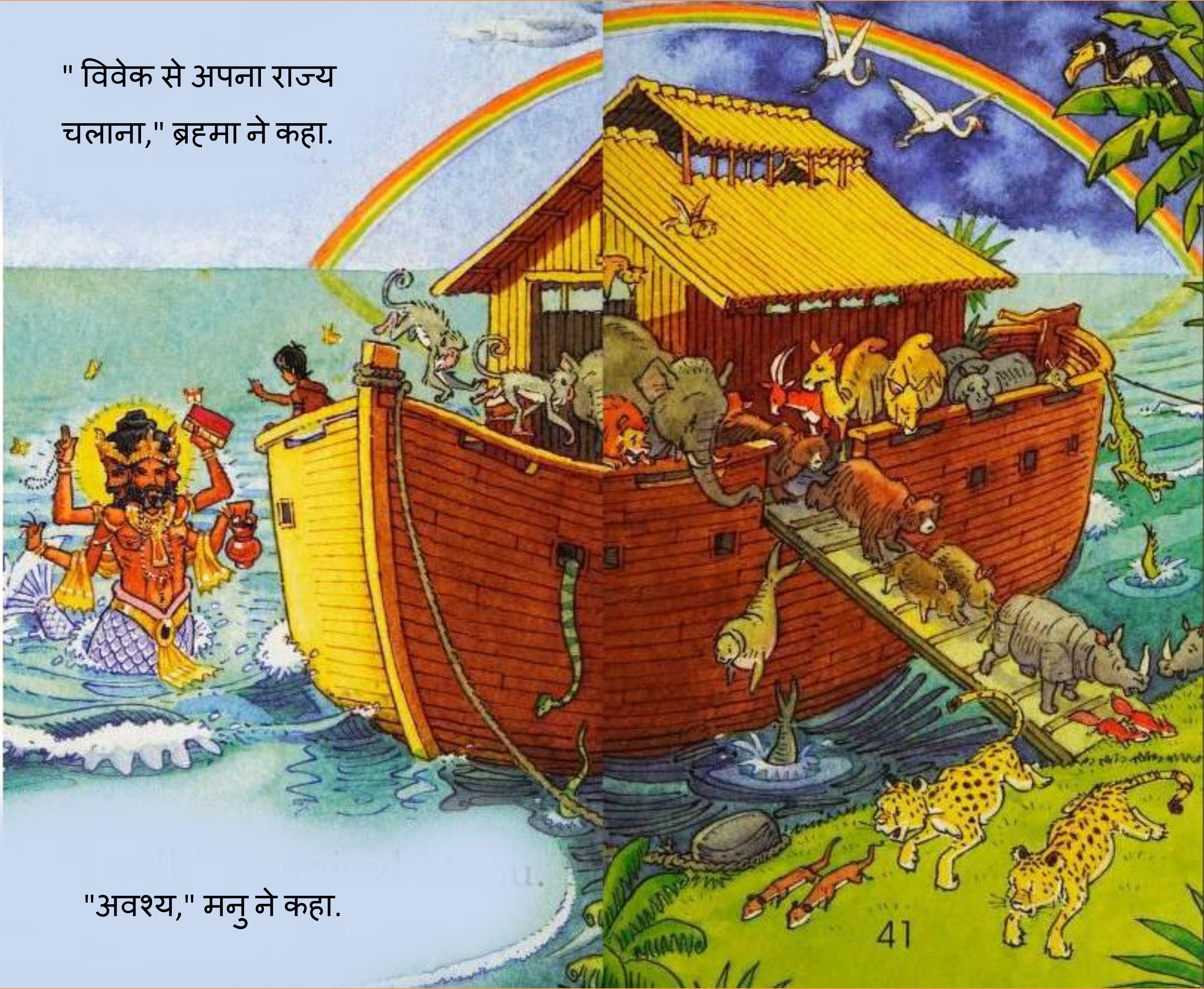
"मैंने तुम्हें इसीलिए बचाया, जिससे तुम दुनिया को दुबारा आबाद कर सको."



"और मनु, तुम वहां के राजा होगे."

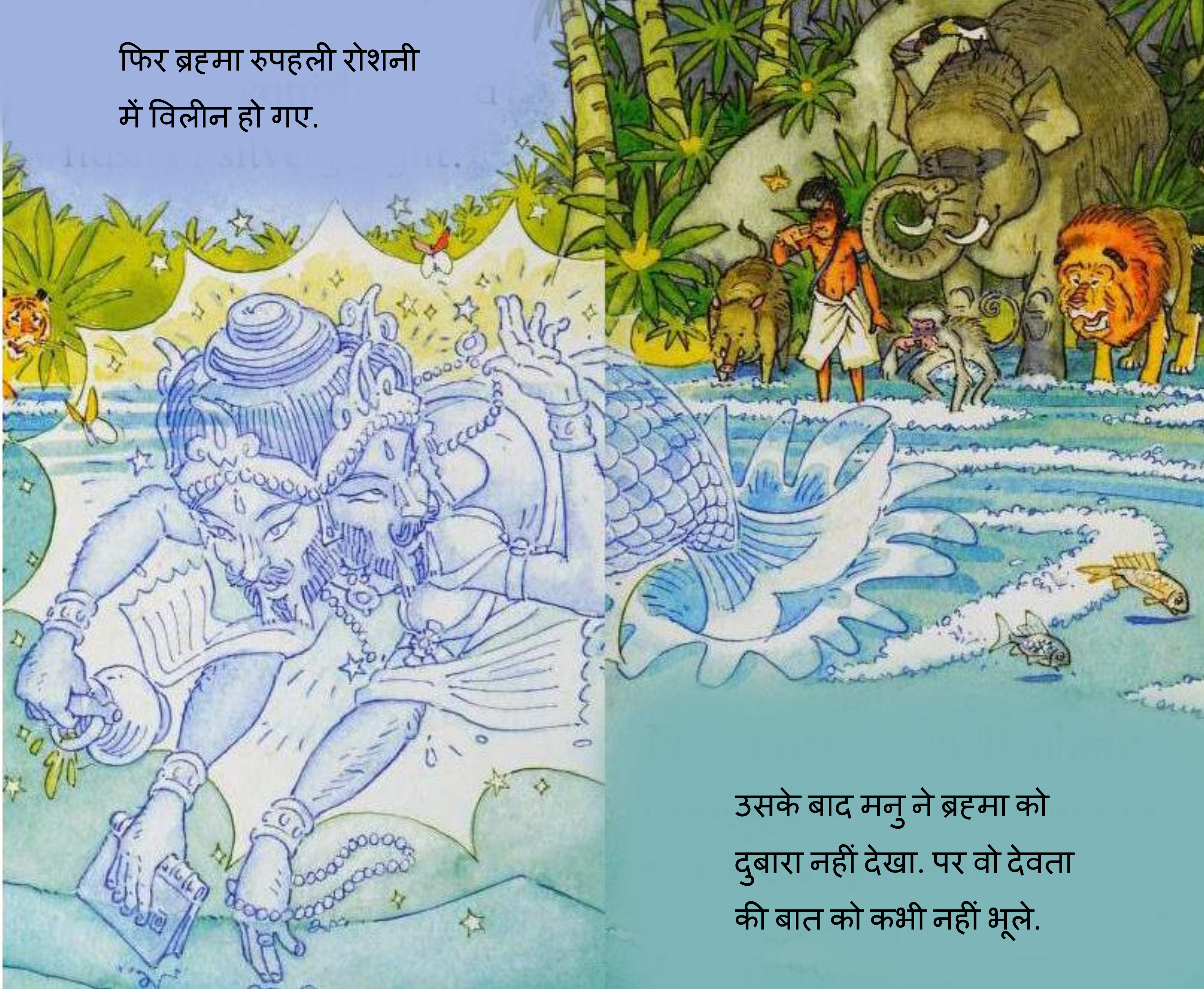
" विवेक से अपना राज्य

चलाना," ब्रह्मा ने कहा.



"अवश्य," मनु ने कहा.

फिर ब्रह्मा रुपहली रोशनी
में विलीन हो गए.



उसके बाद मनु ने ब्रह्मा को
दुबारा नहीं देखा. पर वो देवता
की बात को कभी नहीं भूले.

बाढ़ के बाद मनु ने दुनिया को दुबारा बसाने के लिए कठिन परिश्रम किया.





फिर उन्होंने अपने बाकी समय वहां बहुत विवेकशील तरीके से राज किया.

इस कहानी के बारे में

बोलने वाली मछली कहानी प्राचीन भारतीय ग्रन्थ महाभारत से ली गई है. यह ग्रन्थ दो हज़ार वर्ष पुराना है और उसके अट्ठारह खंड हैं.

इस कहानी में भगवान विष्णु एक मछली का रूप धारण करके दुनिया को प्रलय से बचाते हैं.

